जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 29 संख्याः 246 प्रभात उदयपुर, शनिवार 9 जुलाई, 2022 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 1.20 रु.

शिंज़ो आबे को गोली लगने की खबर से चीन के सोशल मीडिया में जश्न सा माहौल था

यह तथ्य पर्याप्त प्रमाण है शिंजो आबे की सफलता का

- द्वितीय विश्व युद्ध हारने के बाद, विजेताओं ने जापान को भारी ''अपराध बोध'' (गिल्ट) से दबा दिया था। आबे ने 2006 में जापान को इस अपराध बोध से मुक्त कराया।
- शिंज़ो आबे जापान के पहले प्र.मंत्री बने, याकोसोनी टैम्पिल जाने वाले। याकोसोनी में द्वितीय विश्व युद्ध में मारे गये जापानी सैनिकों की अस्थियां संग्रह करके रखी गयी थीं।
- इसके बाद, उन्होंने जापान की सेना को सुसज्जित करने का एतिहासिक निर्णय लिया। उन्होंने 2006 में, एशिया में ''आर्क ऑफ डैमोक्रैसी'' की परिकल्पना की थी, चीन के आक्रमक रवैये को भांपते हुए। इस ''आर्क ऑफ डैमोक्रैसी'' से क्वाड संगठन, जिसके ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, जापान व भारत सदस्य हैं, का जन्म हुआ।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जुलाई। यह शी के नेतृत्व वाले चीन की कुत्सित अतिराष्ट्रवादी सोच का परिचायक है। जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंज़ो आबे पर हुये हमले की खबर पर चीन के इन्टरनेट सोशल मीडिया पर जश्न मनाए गए।

शिंज़ो आबे को गोली मार दी गई जिससे उनकी मौत हो गई। लेकिन प्रधानमंत्री के रूप में उनके दो कार्यकालों ने जापान का इतिहास बदल दिया।

शिंज़ो आबे ने जापान के स्वयं को पीड़ा पहुँचाने वाले आत्म प्रतिबंधों की प्रथा को बदल दिया था। शिंजो आबे याकूसूनी मंदिर गये थे तथा वे जापान के उस शान्तिवादी संविधान को बदलने का माध्यम बने थे तथा इससे जापानी सेना को फिर से देश से बाहर जाने का जोखिम उठाने की अनुमति मिल गई थी।

शिंज़ो आबे ही पहले प्रधानमंत्री जो टोकियो के याकुसोनी मन्दिर गये थे, जहाँ द्वितीय विश्व युद्ध में लड़ने वाले सैनिकों के अवशेष रखे थे। तब तक, यह मन्दिर जापानी प्रधानमन्त्रियों की पहुँच से बाहर था।

ठीक यही स्थिति, जापान शान्तिपूर्ण संवैधानिक व्यवस्था की थी, जिसमें स्थाई सैन्य व्यवस्था पर रोक लगी हुई थी। धीरे-धीरे यह कानून हटाया गया, जापान के पास अपनी सेना होने लगी। लेकिन सेना की भूमिका देश के अन्दर तक ही सीमित थी तथा किन्हीं भी परिस्थितियों में वह देश से बाहर नही जा सकती थी।

यह सब द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापान की भूमिका के अपराध बोध के अवशेष थे। यह राष्ट्रीय चेतना तथा युद्ध के अपराध-बोध का पश्चाताप था। लेकिन, चूँकि जापान की हार हो गई थी, इसलिये उस पर अपराध बोध हावी हो गया था।

अगर धुरी ताकतें जीत गई होतीं, तो कहानी कुछ और ही होती। अगर हम पीछे मुड़कर युद्ध के तुरन्त बाद के जापान की स्थिति पर नजर डालें, तो जापान के इन दोनों जख्मों पर आबे की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शिंज़ो फैक्ट फाइल

- जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंज़ो आबे की शुक्रवार को, भारतीय समयानुसार सुबह 8 बजे एक चुनावी सभा के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई।
- एक पूर्व नौसैनिक ने होम मेड पिस्तौल से पीछे से आकर उन्हें गोली मारी।
- इलाज के दौरान छः घंटे बाद अस्पताल में ही उनकी मौत हो गई।
- शिंज़ो आबे 9 साल तक जापान के प्रधानमंत्री रहे, वे पहली बार 2007 में तथा 2012 में दूसरी बार प्रधानमंत्री बने।
- अपने प्रधानमंत्रित्व काल में उन्होंने चार बार भारत की यात्रा की।
- शिंज़ो आबे के नाना भी जापान के प्रधानमंत्री थे तथा उनके दादा जापान के प्रसिद्ध राजनेता रहे थे।
- उनका इलाज कर रही मैडिकल टीम के एक डॉक्टर ने बताया कि, उनको लगी एक गोली सीधे उनके दिल तक पहुंच गई थी।
- उनको गोली मारने वाले, 42 साल के नौसैनिक ने गिरफ्तारी के बाद बताया कि वह शिंज़ो आबे की नीतियों से बेहद असंतुष्ट था।
- हमलावर शिंज़ो आबे की सभा में पत्रकार बनकर पहुंचा था।

दिल्ली में, राजस्थान में नेतृत्व परिवर्तन की हवा आंधी से तूफान बनती जा रही है

राजस्थान के प्रभारी अजय माकन ने कुछ समय पूर्व पुरजोर ढंग से कहा था, जुलाई माह में राज्यसभा चुनावों के बाद, हाई कमान निर्णय ले लेगा कि गहलोत को त्याग दिया जाये या आगे चलाया जाये

- शासन के नजदीकी लोग भी अब कहने लगे हैं कि, गहलोत अब यह तपन व तनाव बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं तथा हल्की टिप्पणियां व बातें करने लगे हैं, जो उनकी बुजुर्गियत व वरिष्ठता को शोभा नहीं देता।
- नवीनतम रणनीति है, लगभग अस्सी विधायकों का जत्था, शांति धारीवाल के नेतृत्व में दिल्ली भेजा जाये और दबाव बनाया जाये कि, अगर गहलोत को हटाने का निर्णय हो ही गया है तो, उनके प्रबल समर्थक महेश जोशी को मु.मंत्री पद संभलाया जाये।
- गहलोत किसी तरह, यह स्वीकार करने को तैयार नहीं कि, सचिन पायलट मु.मंत्री बनें। पर अब देखना यह है कि, हाई कमान कब तक उनकी जिद स्वीकार करेगा।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जुलाई। राजस्थान कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें दिल्ली में तेज हो रही हैं क्योंकि राजस्थान में पार्टी के लिए समय समाप्त होता जा रहा है। ज्ञातव्य है कि राजस्थान के ए.आई.सी.सी. प्रभारी महासचिव अजय माकन ने स्पष्ट कहा है कि राज्यसभा चुनाव समाप्त होने के बाद जुलाई में नेतृत्व परिवर्तन का निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व यह फैसला करेगा कि क्या अशोक गहलोत को मुख्यमंत्री पद पर बनाए रखा जाए या उन्हें अस्वीकार कर दिया जाए।

प्राप्त सभी सूचनाओं के अनुसार अशोक गहलोत बहुत चिड़चिड़े हो गए हैं। वह ऐसे बयान देते रहे हैं जो उनके कद, ओहदे या आयु के व्यक्ति को शोभा नहीं देता, लेकिन असुरक्षा की भावना व्यक्ति से अजीब काम करवा लेती है।

उच्च पदस्थ सूत्र बताते हैं कि अशोक गहलोत चुपचाप से अपना पद नहीं छोड़ देंगे। उन्होंने मुकाबला करने का निर्णय लिया है और स्वयं को बाहर किए जाने की सूरत में वह यह सुनिश्चित करने का प्रत्येक जतन करेंगे कि सचिन पायलट को मुख्यमंत्री ना बनाया जाए।

स्वयं को मुख्यमंत्री पद से हटाए जाने की स्थिति में अपने सुझाव पहले ही देना शुरु कर दिए हैं कि पायलट के अलावा किसी अन्य व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाना चाहिए। इसमें अन्य के अलावा एक नाम महेश जोशी का आगे बढ़ाया गया है। योजना कांग्रेस के करीब 8 विधायकों को एकत्रित कर शांति धारीवाल के नेतृत्व में उन्हें दिल्ली भेजकर यह दबाव बनाने की है कि अशोक गहलोत को मुख्यमंत्री बने रहने दिया जाए।

मजेदार बात ये है कि गहलोत ऐसा मानते हैं कि एक बार उन्हें हटाने का निर्णय लिए जाने के बाद भी 80 विधायक उनकी प्रशंसा के गीत गाएंगे।

गहलोत यदि सचिन पायलट की पदोन्नति रूकवाने में सक्षम नहीं होते हैं तो प्लान बी पर काम किया जाएगा। इसमें सदन के फ्लोर टैस्ट में पायलट को उन भाजपा विधायकों की मदद से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बीजिंग में वैक्सिनेशन अनिवार्य

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जुलाई। चीन की राजधानी बीजिंग में लोगों के लिए वैक्सीन लगवाना अनिवार्य हो गया है खासकर लायब्रेरी, म्यूज़ियम या अन्य सार्वजनिक स्थलों में प्रवेश के लिए। करोना वायरस पर नियंत्रण की लम्बे समय से चली आ रही नीति में सरकार ने फेरबदल किया है।

- करोना वायरस पर नियंत्रण के लिए चीन की नीति लॉक डाउन की ही रही है पर अब वैक्सिनेशन को अनिवार्य करने का फैसला लिया गया है।

अन्य देशों ने कई महीनों पहले ही इस तरह के प्रतिबंध लगा दिए, अब चीन ने भी ऐसे प्रतिबंध घोषित किए हैं जो दर्शाता है कि चीन आबादी के बड़े भाग का वैक्सिनेशन करने की दिशा में अग्रसर है। विशेषज्ञों का मत है कि अगर ये प्रयास सफल हुए तो चीन विश्व के लिए दरवाजे खोल देगा और इससे सुस्त पड़ रही अर्थव्यवस्था को भी लाभ मिलेगा। चीन में विकसित वैक्सीन की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'महाराष्ट्र में पुनः नये सिरे से विधानसभा चुनाव करवायें'

उद्धव ठाकरे ने शिंदे को चुनौती देते हुए कहा, आजमा कर देख लें अगर हमने गल्ती की है, जनता हमें घर भेज देगी

- ठाकरे ने शिंदे को निशाना बनाते हुए कहा, ढाई साल से भाजपा मुझे व मेरे परिवार को गाली दे रही थी, तब आप चुप रहे और भाजपा के सम्पर्क में रहे और पार्टी से गद्दारी की।
- ठाकरे ने यह भी कहा, सोमवार को सुप्रीम कोर्ट हमारी याचिका पर सुनवायी करेगा तथा शिव सेना के ही नहीं, देश में प्रजातंत्र के भविष्य पर निर्णय लेगा।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जुलाई। एकनाथ शिंदे द्वारा बगावत करके पार्टी के विधायक दल पर व कब्जा किये जाने के बाद, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने आज अपने पहले सार्वजनिक संबोधन में राज्य में नये चुनाव कराये जाने की माँग की तथा कहा कि शिवसेना के चुनाव चिन्ह को '' कोई नहीं छीन सकता।''

भाजपा तथा मुख्यमंत्री शिन्दे के नेतृत्व वाले शिवसेना के विद्रोही गुट को चुनौती देते हुये, ठाकरे ने कहा, ''मैं उन्हें चुनौती देता हूँ कि वे आज विधानसभा चुनाव करायें।'' अगर हमने कुछ गलत किया है तो लोग हमें घर भेज देंगे और अगर आपको यही करना था तो आपको यह ढाई साल पहले करना चाहिये था तथा वह सम्मानपूर्ण रहा होता। (उस स्थिति में) यह सब होने की कोई जरूरत ही होती।''

ठाकरे ने कहा, '' शिवसेना से उसका ''तीर-कमान'' चुनाव चिन्ह कोई नहीं'' छीन सकता। वैसे भी, जनता केवल चुनाव चिन्ह को ही नहीं देखते, वे उस व्यक्ति को देखते हैं जिसने चुनाव चिन्ह लिया।''

उन्होंने शिवसेना के विद्रोही गुट पर प्रहार करते हुये कहा कि वे उस समय चुप बैठे थे, जब पिछले ढ़ाई वर्षो के दौरान भाजपा उन्हें और उनके परिवार को निशाना बना रही थी तथा '' भला-बुरा कह रही थी'' उन्होंने शिन्दे का नाम लिये बिना कहा, '' आप उनके सम्पर्क में बने रहिये तथा अपनी स्वयं की पार्टी के साथ इसी प्रकार विश्वासघात करते रहिये।''

उन्होंने विद्रोहियों के बारे में कहा, कुछ लोगों का कहना है कि अगर उन्हें मातोश्री बुलाया जायेगा तो वे जरूर आएंगे। उनका कहना है कि उनके मन मेरे लिए सम्मान है। मैं आभारी हूँ। लेकिन अगर आप आते तथा मुझसे बात करते तो आपको इस यात्रा की जरूरत नहीं पड़ती। लेकिन अब आप उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने मेरे परिवार को गालियाँ दी हैं। उन्होंने हमारी प्रतिष्ठा पर हमला किया है। इसलिये यह निर्णय आप भी करें कि क्या आपका स्नेह एवं सम्मान वास्तविक है।''

ठाकरे ने आगे कहा, ''मुझे उन 15-16 विधायकों पर गर्व है जो तमाम धमकियों के बावजूद मेरे साथ हैं। यह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'भाजपा का आंतकियों से संबंध'

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जुलाई। कांग्रेस शनिवार को देश के 22 शहरों और कस्बों में प्रैस कॉन्फ्रैंस करने जा रही है जिनमें सत्तारूढ़ भाजपा के आतंकवादियों से संबंध का पर्दाफाश किया जाएगा।

प्रैस कॉन्फ्रैंस की थीम है ''ये रिश्ता

- भाजपा और आतंकवादियों की सांठगांठ का पर्दाफाश करने के लिए कांग्रेस 22 शहरों में प्रैस कॉन्फ्रैंस करने जा रही है, जिसकी थीम है ''ये रिश्ता क्या कहलाता है?''

क्या कहलाता है।'' पार्टी के पूर्व सांसद तथा राष्ट्रीय प्रवक्ता अजय कुमार मुम्बई में, महासचिव शक्तिसिंह गोहिल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'खादी व पॉलियस्टर में क्या फर्क है'

कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर व्यंग्य किया कि, खादी से बना तिरंगा, स्वतंत्रता आंदोलन का प्रतीक था, पर भाजपा खादी का महत्व क्या समझे

- कांग्रेस के अनुसार, खादी स्वतंत्रता आंदोलन में स्वावलम्बन का प्रतीक थी। इंगलैण्ड के मैनचैस्टर शहर में निर्मित कपड़े का स्वाभिमानी स्वावलम्बी जवाब।
- कांग्रेस को यह बात कतई गले नहीं उतर रही कि, खादी निर्मित तिरंगे झण्डे का स्थान अब पॉलियस्टर निर्मित तिरंगा झण्डा लेगा।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जुलाई। पॉलिएस्टर के राष्ट्रीय झंडों के आयात और निर्माण की अनुमति देने के लिए राष्ट्रीय झंडे की आचार संहिता में संशोधन करने के मोदी सरकार के निर्णय ने खादी को सिंथैटिक फायबर के समकक्ष ला दिया है। कांग्रेस ने आज इस निर्णय की आलोचना करते हुए उक्त संशोधन को वापस लेने की मांग की है।

यह उल्लेख करते हुए कि यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब देश स्वाधीनता की 75वीं वर्षगांठ मना रहा है, कांग्रेस प्रवक्ता अजॉय कुमार ने कहा कि यह इस बात का एक अन्य पुष्ट प्रमाण है कि हमारी अति राष्ट्रवादी सत्तारूढ़ पार्टी को हमारे स्वतंत्रता संघर्ष की कोई समझ नहीं है।

यह बताते हुए कि कांग्रेस इस संशोधन को रद्द करने की कर्नाटक खादी ग्रामोद्योग संयुक्त संघ की मांग से सहमत है, डॉ. कुमार ने कहा कि पार्टी 30 जुलाई 2022 को एक ध्वज सत्याग्रह आयोजित करने के उसके निर्णय का समर्थन करती है।

प्रवक्ता ने कहा कि तिरंगा देश की स्वाधीनता और सार्वभौमिकता का प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा कि झण्डे की खादी यह इंगित करती है कि भारत के लोगों ने एक मामूली चरखे का उपयोग कर जिस प्रकार से शक्तिशाली ब्रिटिश साम्राज्य को शिकस्त दी। खादी स्वालम्बन, आध्यात्मिक विनम्रता, राष्ट्रीय अखण्डता, सामाजिक एकता, साम्प्रदायिकता सद्भाव और अहिंसा की प्रतीक है।

एक सीधा प्रहार करते हुए डॉ. कुमार ने कहा कि इन मूल्यों से भाजपा और उसके पूर्ववती अनजा हैं, अनजान है जिन्होंने स्वतंत्रता संघर्ष, राष्ट्रीय ध्वज की डिजाइन या खादी को लोकप्रिय बनाने में कोई भूमिका नहीं निभाई थी और यह पार्टी एक सोचे-समझे तरीके से स्वतंत्रता संग्राम के प्रतीकों को त्याग रही है।

कांग्रेस नेता ने स्मरण कराया कि भाजपा हिन्दू महासभा से प्रेरित है, जिसने राष्ट्रवादी शक्तियों- यथा कांग्रेस का विनाश करने के लिए सिंध, बंगाल और नॉर्थ वैस्ट फ्रंटियर प्रांत में मुस्लिम लीग के साथ गठबंधन किए थे।

प्रवक्ता ने कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी के पितृ संगठन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने अपने नागपुर मुख्यालय पर आधी शताब्दी तक तिरंगा फहराने से इंकार किया था। उन्होंने ध्यान दिलाया कि राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करना तो दूर भाजपा ने आर.एस.एस. परिसर में 26 जनवरी 2001 को तिरंगा फहराने का प्रयास कर रहे तीन कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करवा दिया था (केस नम्बर 176, नागपुर)।

एक तरफ तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं को भारतीय खादी उद्योग के संरक्षक के रूप में पेश करते है और उन्होंने पिछले वर्ष अपने ''मन की बात'' संबोधन में भारतीयों से खादी उत्पाद खरीदने का अनुरोध किया था और दूसरी तरफ, उन्होंने आयातित मशीन निर्मित एवं पॉलिएस्टर झण्डों की अनुमति देकर खादी की आत्मा और महात्मा गांधी की विरासत पर प्रहार किया है।

उन्होंने कहा कि लाखों कर्मियों को नौकरियों से हाथ धोना सुनिश्चित करते हुए उन्होंने हर घर तिरंगा अभियान का मजाक बनाकर उसे ''हर घर में चीन का बना हुआ तिरंगा'' बना दिया है। खादी के स्व-घोषित स्वयं भू खादी की मौत का कारण बनेंगे और स्वयं को एक पॉलिएस्टर मोनोपॉलिस्ट साबित करेंगे।

प्रधानमंत्री अन्य भारतीयों को ''वोकल फोर लोकल'' का लैक्चर देते हैं, लेकिन उनके खुद के निर्णय ''शंघाई की महंगाई'' से अधिक मेल खाते हैं- चाहे वह स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के लिए कांसा आयात करना हो या वर्ष 2021-22 में चीन से आयातों का 45 प्रतिशत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोहन प्रकाश

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 जुलाई। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मोहन प्रकाश को महाराष्ट्र जाकर वहां के राजनैतिक घटनाक्रम की जांच कर रिपोर्ट देने को कहा है। ज्ञातव्य है कि हाल ही में

- सोनिया गांधी ने वरिष्ठ नेता मोहन प्रकाश से महाराष्ट्र के राजनैतिक घटनाक्रम की जांच कर तुरंत रिपोर्ट देने को कहा है।

विधानसभा में हुए विश्वासरत में कॉंग्रेस के कुछ विधायक अनुपस्थित थे।

पार्टी महासचिव (संगठन) के.सो.वेपु गोपाल ने बताया कि मोहन प्रकाश से जल्द से जल्द रिपोर्ट देने को कहा गया हैं।